भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 23 अक्टूबर, 2025

जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: (i) दक्षिण-पूर्वी अरब सागर पर अवदाब

(ii) दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और आसपास के क्षेत्रों में निम्न दबाव का क्षेत्र

(iii) 24 अक्टूबर को दक्षिण-पूर्वी और उससे सटे पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना

(iv) 23 और 24 अक्टूबर को केरल, माहे और तटीय कर्नाटक में; 23 को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 23 और 27 व 28 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में; और 23 और 24 अक्टूबर को तमिलनाडु और कोंकण एवं गोवा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों की वास्तविक मौसम स्थिति (आज 23 अक्टूबर, 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर **भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी)** दर्ज की गई है।
- तटीय कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर **भारी वर्षा (7-11 सेमी)** दर्ज की गई है।

वास्तविक मौसम के अधिक विवरण के लिए कृपया **अनुलग्नक-I** देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक-II और III देखें):

- दक्षिण-पूर्व अरब सागर पर बना दबाव क्षेत्र पिछले 6 घंटों के दौरान 5 किमी प्रति घंटे की गति से धीरे-धीरे उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ा और आज, 23 अक्टूबर 2025 को सुबह 08:30 बजे भारतीय समयानुसार उसी क्षेत्र में, अक्षांश 9.8° उत्तर और देशांतर 67.8° पूर्व के पास, अमिनिदिवि (लक्षद्वीप) से लगभग 560 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और पंजिम (गोवा) से 910 किमी दक्षिण-पश्चिम में केंद्रित रहा। अगले 24 घंटों के दौरान इसके दक्षिण-पूर्व अरब सागर से होते हुए उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर पूर्व-मध्य अरब सागर की ओर बढ़ने की संभावना है।
- तमिलनाडु तट से दूर बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में कल बना निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया और आज, 23 अक्टूबर 2025 को सुबह 0530 बजे भारतीय समयानुसार उत्तर आंतरिक तमिलनाडु और उससे सटे दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के ऊपर एक निम्न दबाव के क्षेत्र में कमजोर हो गया। यह आज सुबह 0830 बजे भारतीय समयानुसार दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और उसके आसपास के इलाकों में था। अगले 24 घंटों के दौरान इसके दक्षिण कर्नाटक से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ना और पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्व अरब सागर के ऊपर उभरने की संभावना है।
- दक्षिण अंडमान सागर और उसके आसपास के इलाकों के ऊपर कल बना ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण अंडमान सागर से सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर मध्य क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ था। इसके प्रभाव में, 24 अक्टूबर 2025 को बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व और उससे सटे पूर्व-मध्य में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान और अधिक स्पष्ट होने की संभावना है।
- 27 अक्टूबर, 2025 से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 23 और 24 को तथा 26-28 के दौरान तमिलनाडु में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ तूफान; 23 को लक्षद्वीप; 27 और 29 के दौरान केरल और माहे; 23-25 के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक; 23-25 के दौरान तेलंगाना और 29 के दौरान; 24-26 के दौरान और 29 के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा; 24 को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और 25 और 26 को तटीय कर्नाटक; 23 को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा; 23 और 27 और 28 को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा; 23 और 24 अक्टूबर को केरल और माहे और तटीय कर्नाटक।
- अगले 5 दिनों के दौरान क्षेत्र में बिजली के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 23-25 अक्टूबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है, तथा 26 अक्टूबर को अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है।
- अगले 5 दिनों के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह और ओडिशा में बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है; और अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- 23 और 24 अक्टूबर को कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है; 25 और 26 अक्टूबर को गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में और 25 और 26 अक्टूबर के दौरान गुजरात क्षेत्र में और 24-26 अक्टूबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में बिजली गिरने के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

उत्तरी भारत:

- अगले 2-3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट।

अरब सागर, लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक, केरल और उससे सटे तमिलनाडु के तटों के लिए चेतावनी

हवा की चेतावनी: सिस्टम केंद्र के आसपास 45-55 से लेकर 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं और 25 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्व और समीपवर्ती पूर्व-मध्य अरब सागर में जारी रहेंगी। 25 अक्टूबर तक लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र और कर्नाटक, केरल और उससे सटे दक्षिण तमिलनाडु के तटों पर 40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति: 25 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्व और उससे सटे पूर्व-मध्य अरब सागर में समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है। 25 अक्टूबर तक लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र और कर्नाटक, केरल और उससे सटे दक्षिण तमिलनाडु के तटों पर समुद्र की स्थिति खराब रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 25 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्व और उससे सटे पूर्व-मध्य अरब सागर, लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र और कर्नाटक, केरल और उससे सटे दक्षिण तमिलनाडु के तटों पर न जाएं।

बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिणी अंडमान सागर के क्षेत्रों के लिए चेतावनी

हवा की चेतावनी: 24 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और आसपास के अंडमान सागर और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के इलाकों में 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। 25 और 26 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में हवा की रफ्तार बढ़कर 40-50 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। 25 और 26 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश के तटों पर 35-45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति: 24 अक्टूबर से 23 अक्टूबर की शाम तक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और आसपास के अंडमान सागर और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के इलाकों में समुद्र की स्थिति मध्यम से खराब रहने की संभावना है। 25 और 26 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में समुद्र की स्थिति खराब रहने की संभावना है। 25 और 26 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश के तटों पर समुद्र की स्थिति मध्यम से उग्र रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 25 अक्टूबर के बाद दक्षिण-पश्चिम, बंगाल की खाड़ी से सटे मध्य क्षेत्र और तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश के तटों पर न जाएँ।

ii. 23 से 26 अक्टूबर, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

केरल और माहे: क्विलांडी (जिला कोझिकोड) 14; इरिंजलाकुडा (जिला त्रिशूर) 9; थ्रिटला (जिला पलक्कड़), अंगदिपुरम (जिला मलप्पुरम), वेल्लानिक्कारा (जिला त्रिशूर), एर्नाकुलम दक्षिण (जिला एर्नाकुलम) 7 प्रत्येक; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: अराकोणम (जिला रानीपेट) 13; हरुर (जिला धर्मपुरी) 11; नमक्कल (जिला नामक्कल), मोहनूर (जिला नामक्कल), वर्थ एस्टेट चेर (जिला नीलगिरी) 9 प्रत्येक; तिरुत्तानी (जिला तिरुवल्लूर), ग्लेनमॉर्गन (जिला नीलगिरी), वेल्लाकोइल (जिला तिरुप्पुर), आरएससीएल-3 अवलूरपेट्टई (जिला विल्लुपुरम) 8 प्रत्येक; नाडुवट्टम (जिला नीलगिरि), मेट्टूर (जिला सलेम), तिरुवलंगाडु (जिला तिरुवल्लूर), थुवाकुडी इम्ती (जिला त्रिची), डीएससीएल थियागादुर्गम (जिला कल्लाकुरिची), आरएससीएल-2 सोरापट्टू (जिला विल्लुपुरम), आरएससीएल-2 केदार (जिला विल्लुपुरम), ओथु (जिला तिरुनेलवेली), रानीपेट एडब्ल्यूएस (जिला रानीपेट) 7 प्रत्येक;

दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: कोट्टीगेहारा (जिला चिक्कमगलुरु) 12; कुशलनगर (जिला कोडागु), सोमवारपेट (जिला कोडागु) 9 प्रत्येक; हरंगी (जिला कोडागु) 8; कोनानूर (जिला हसन), कदुर (जिला चिक्कमगलुरु), एन आर पुरा (जिला चिक्कमगलुरु), कोप्पा (जिला चिक्कमगलुरु) 7 प्रत्येक; तटीय कर्नाटक: धर्मस्थल (जिला दक्षिण कन्नड़) 12; मुदुबिद्रे (जिला दक्षिण कन्नड़) 7;

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: हट बे (जिला दक्षिण अंडमान) 12; इफ़ कार्निकोबार (जिला निकोबार) 7;

तटीय आंध्र प्रदेश और यानम: यानम (जिला यानम) 10; मसूलीपट्टनम कमांडर (जिला कृष्णा), सीतारमपुरम (जिला एसपीएसआर नेल्लोर) 9 प्रत्येक; राचेरला (जिला प्रकाशम), पोडिली (जिला प्रकाशम) 8 प्रत्येक; रापुर (जिला एसपीएसआर नेल्लोर) 7;

रायलसीमा: पेनागलुरु (जिला अन्नामय्या जिला) 7.

अनुलग्नक II

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	23- Oct	24- Oct	25- Oct	26- Oct	27- Oct	28- Oct	29- Oct
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
8	JHARKHAND	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	FWS
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	ISOL	ISOL	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

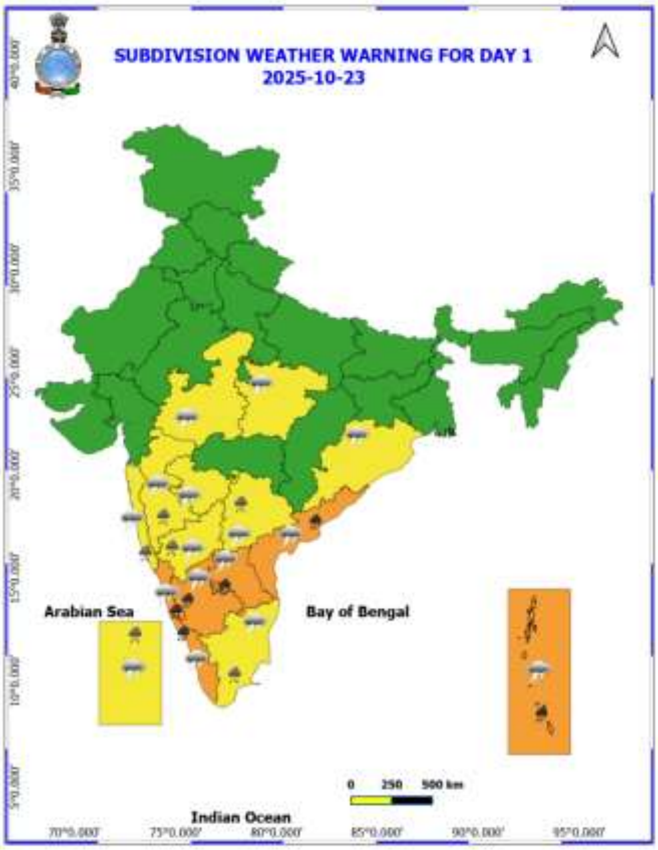
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-10-23
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

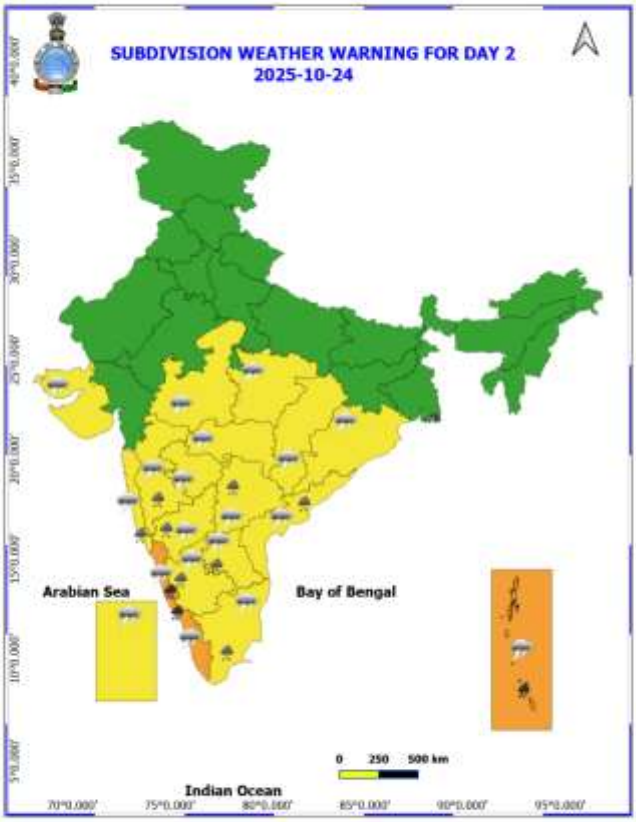
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-10-24
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

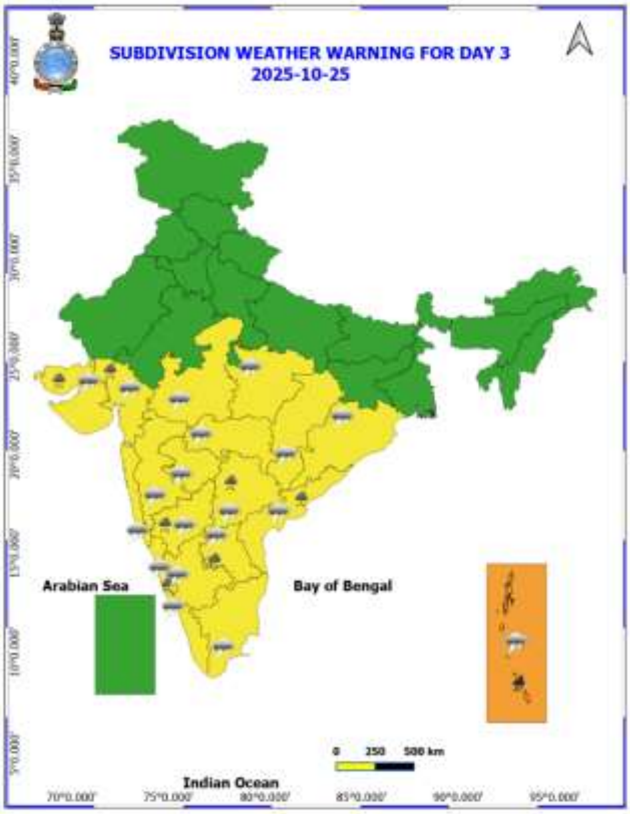
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-10-25
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

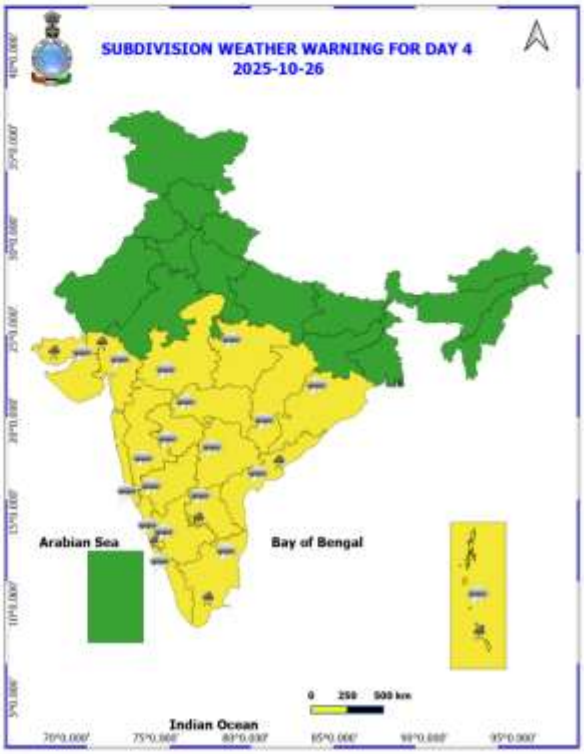

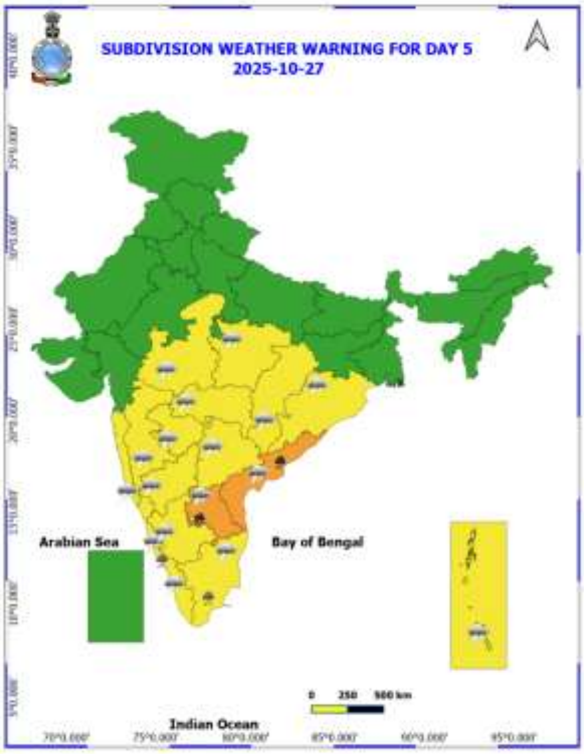

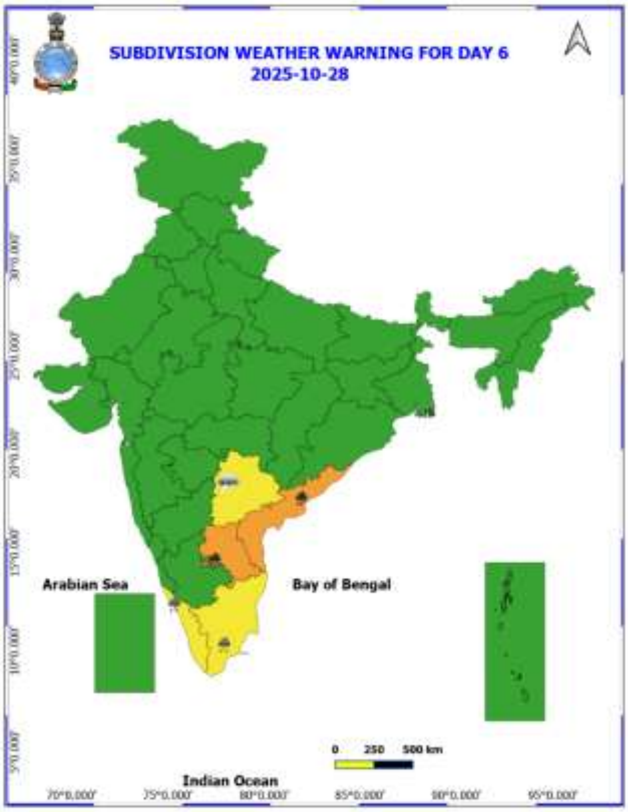

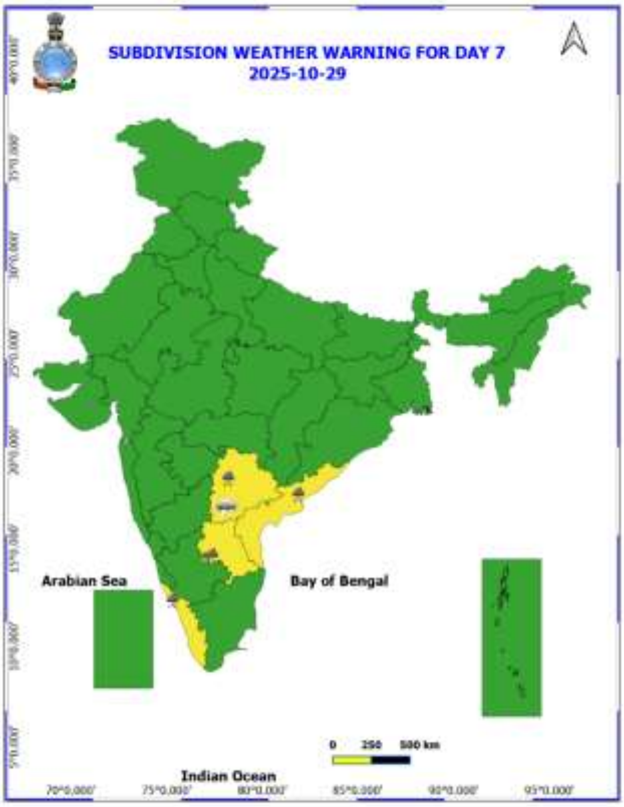

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

23 से 26 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1-3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 17 से 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहा और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवा के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहा। आज दोपहर तक इस क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम दिशा से 6 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवा के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहा।

मौसम पूर्वानुमान:

23.10.2025: दोपहर से आसमान साफ़ रहेगा और धुंध छाई रहेगी। अधिकतम तापमान 31 से 33°C के बीच रहेगा। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से सतही हवाएँ चलने की संभावना है। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 8 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

24.10.2025: आसमान मुख्यतः साफ़ रहेगा। सुबह के समय धुंध/धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33°C और 17 से 19°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से प्रमुख सतही हवाएँ 5 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी। दोपहर में उत्तर दिशा से हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 10 किमी प्रति घंटे तक पहुँच जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति घटकर 8 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

25.10.2025: आसमान मुख्यतः साफ़ रहेगा। सुबह के समय धुंध/धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33°C और 17 से 19°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से प्रमुख सतही हवाएँ चलने की संभावना है। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति घटकर 8 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

26.10.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा, शाम तक आंशिक रूप से बादल छा सकते हैं। सुबह के समय धुंध/धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33°C और 18 से 20°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3°C तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से प्रमुख सतही हवाएँ चलने की संभावना है। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति घटकर 8 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

बहुत भारी वर्षा के कारण प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई:

23 और 24 अक्टूबर को केरल और माहे तथा तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने के कारण प्रभाव और कार्रवाई का सुझाव दिया गया है; 23 को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 23 और 27 और 28 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में; और 23 और 24 अक्टूबर को तमिलनाडु और कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने के कारण।

संभावित प्रभाव

- ✓ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास बंद होना।

- ✓ भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
- ✓ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित, जिससे यात्रा का समय बढ़ गया।
- ✓ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ✓ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ✓ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़/भूस्खलन/कीचड़/भूस्खलन।
- ✓ जलप्लावन के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।

सुझाई गई कार्रवाई

- ✓ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने रास्ते में यातायात की भीड़भाड़ की जाँच कर लें।
- ✓ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात परामर्श का पालन करें।
- ✓ उन इलाकों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ✓ असुरक्षित ढाँचों में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **आंध्र प्रदेश** में, परिपक्व मूंगफली की फसल और मक्के के परिपक्व भुट्टों की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, कपास, मूंगफली, हल्दी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा केले, नारियल और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें। जब तक मिट्टी में नमी इष्टतम स्तर पर न पहुंच जाए, तब तक रबी फसलों (रबी मक्का, बंगाल चना आदि) की बुवाई न करें।
- **तमिलनाडु** में, धान और मूंगफली की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, गन्ना, कपास, उड़द, मक्का एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल, केले और काली मिर्च के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु अतिरिक्त जल की निकासी करें। भारी वर्षा के दौरान धान की रोपाई या सीधी बुवाई एवं मक्का और कपास की बुवाई न करें।
- **केरल** में, धान एवं सब्जियों की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान एवं सब्जियों के खेतों और केले, नारियल, सुपारी, इलायची और काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **तटीय कर्नाटक** में, भारी बारिश के रुकने तक धान की कटाई स्थगित करें और पहले से कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। धान के खेतों तथा नारियल, सुपारी और काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक** में, भारी बारिश के रुकने तक खरीफ दालों और मक्का की कटाई स्थगित करें और दालों, मक्का, मूंगफली, इलायची, कॉफी आदि फसलों की पहले से कटी हुई उपज को सूखे, ढके हुए और हवादार स्थानों पर संग्रहीत करें या खेतों में तिरपाल से ढक दें। धान, मक्का, रागी, दालों, मूंगफली एवं सब्जियों के खेतों तथा केला, काली मिर्च, इलायची, कॉफ़ी, नारियल और सुपारी के बागानों में जलभराव से बचाव हेतु अतिरिक्त जल की निकासी करें। जब तक मिट्टी में नमी इष्टतम स्तर पर न पहुंच जाए, तब तक रबी फसलों की बुवाई न करें। **उत्तर आंतरिक कर्नाटक** में, मक्का, मूंगफली और सोयाबीन की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** में, धान की कटी हुई उपज को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, सब्जियों और बागवानी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **कोंकण** और **मध्य महाराष्ट्र** में, खरीफ फसलों की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **पशुपालन / मत्स्य पालन**
- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।
-
- **तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

- (आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- कटी हुई फसलों को अच्छी तरह से बांधें और ढककर रखें ताकि तेज हवा के कारण विस्थापन का खतरा कम हो।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन:

<table>
<tr>
<td>

24-10-2025 को **1130 IST** तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए **24** घंटे का आउटलुक:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम विभाग उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम स्तर की बाढ़ का खतरा है।

तटीय कर्नाटक - दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिले।
केरल और माहे - अलप्पुझा, एर्नाकुलम, इडुक्की, कन्नूर, कासरगोड, कोल्लम, कोट्टयम, माहे, मलप्पुरम, पलक्कड़, पट्टानमित्तिया, तिरुवनंतपुरम और त्रिशूर जिले।
उत्तर आंतरिक कर्नाटक - हावेरी जिला।
दक्षिण आंतरिक कर्नाटक - चित्रदुर्ग, हासन और कोडागु जिले।

• अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (**AoC**) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

</td>
<td>

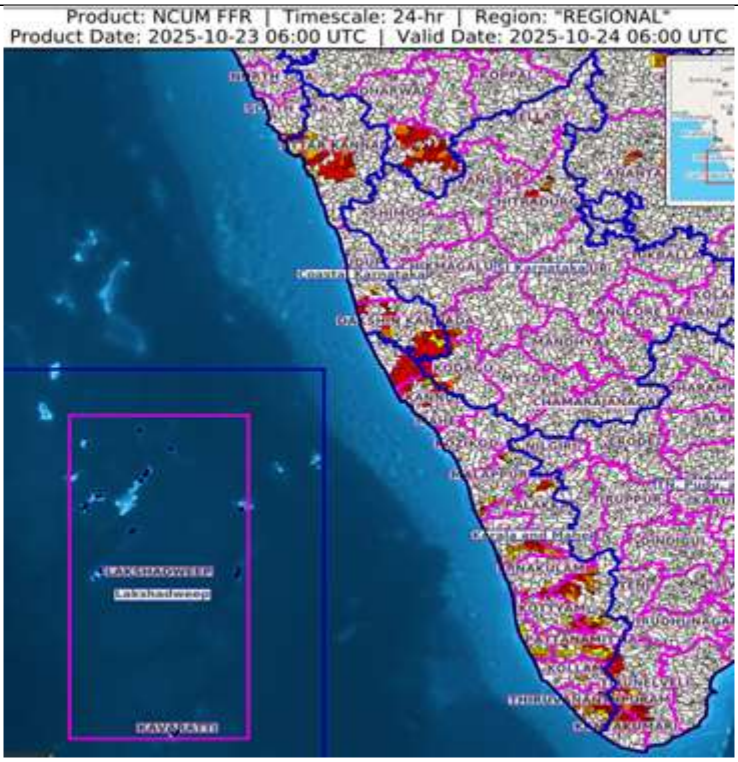

</td>
</tr>
<tr>
<td>

24-10-2025 को **11:30 IST** तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (**FFR**) के लिए **24** घंटे का पूर्वानुमान:

अगले **24** घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।
तटीय आंध्र प्रदेश और यनम - पूर्वी गोदावरी, गुंटूर, कृष्णा, प्रकाशम, नेल्लोर, श्रीकाकुलम, विशाखापत्तनम, विजयनगरम और पश्चिमी गोदावरी जिले।
रायलसीमा - अनंतपुरमु, कुरनूल और कडप्पा जिले।

अगले **24** घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (**AoC**) के ऊपर कुछ

</td>
<td>

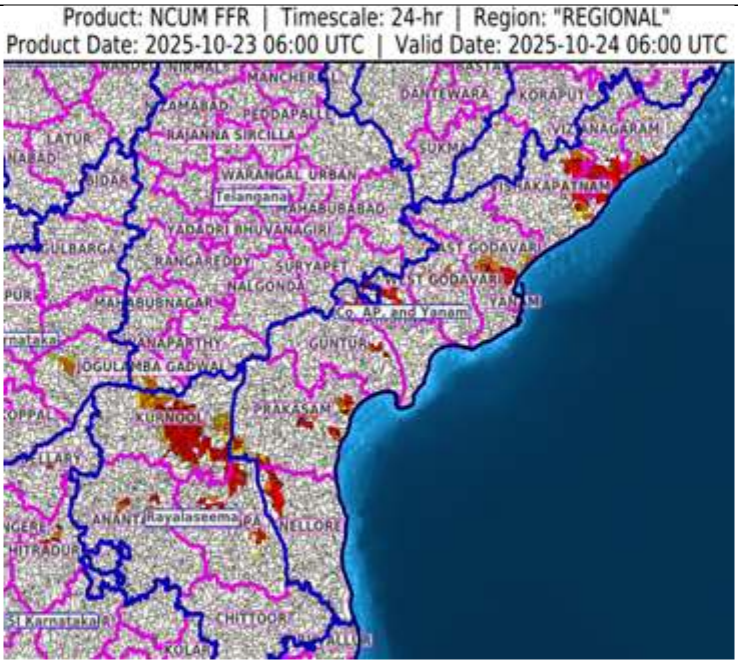

</td>
</tr>
</table>

पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	

➢ किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

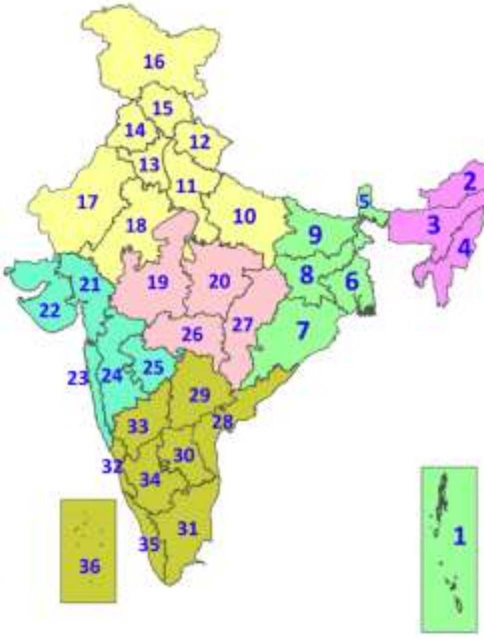

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)